सरकारी बजट GOVERNMENT BUDGET

हम पढेंगे:

बजट - अर्थ, उद्देश्य, विशेषताएं, बजट के घटक - बजट प्राप्तियां और बजट व्यय, कर तथ्य कर के प्रकार, बजट के प्रकार, बजट घाटा और बजट घाटे के प्रकार

सरकारी बजट एक वार्षिक वित्तीय विवरण है जो एक वित्तीय वर्ष के दौरान अपेक्षित राजस्व और अनुमानित व्यय का आइटम-वार अनुमान दर्शाता है।

आय और व्यय का अनुमान लगाने के लिए बजट बनाया जाता है। यह उस खाते से भिन्न है जो वित्तीय लेनदेन की रिकॉर्डिंग है। बजट किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह उसके वित्तीय मामलों की योजना बनाने और नियंत्रित करने में मदद करता है।

THE ECONOMICS GURU

यह एक वार्षिक वित्तीय विवरण है जहां चालू वित्तीय वर्ष के लिए *अपेक्षित राजस्व और अनुमानित व्यय* का एक आइटमयुक्त अनुमान सूचीबद्ध किया जाता है जो एक वर्ष के *1 अप्रैल से अगले वर्ष के 31 मार्च* तक चलता है।

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

www.theeconomicsguru.com

सरकारी बजट की आवश्यकता/ उद्देश्य

- **संसाधन पुनर्आवंटन:** देश की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए, सरकार संसाधनों का उचित वितरण कर सकती है।

- **आय और धन में अंतर कम करें:** देश में विभिन्न वर्गों की आर्थिक समानता को सरकार बेहतर ढंग से बनाए रख सकती है। वे कुलीन वर्ग पर कर लगा सकते हैं और उस धन को गरीब लोगों के कल्याण पर खर्च कर सकते हैं।

- **आर्थिक विकास में सुधार:** सार्वजनिक क्षेत्रों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करके निवेश और बचत की समग्र दर को बढ़ाया जा सकता है। निवेश और बचत की दर किसी देश की आर्थिक वृद्धि को निर्धारित करती है।

- **क्षेत्रीय विकास में अंतर कम करें:** अविकसित क्षेत्रों में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करके क्षेत्रीय असमानताओं को कम किया जा सकता है।

- **रोजगार में वृद्धि करना:** सार्वजानिक व्ययों एवं अन्य नीतियों के माध्यम के माध्यम से सरकार देश में रोजगार सृजन करने का कार्य बजट द्वारा ही करती है।

- **अर्थव्यवस्था में स्थिरता बनाये रखना-** आर्थिक चक्र को संतुलित बनाये रखना अर्थात मुद्रा स्फीति एवं मुद्रा अवस्फीति को नियंत्रण करने की जिम्मेदारी सरकार की होती है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

- **सार्वजानिक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना-** बजट के मध्य से सरकार जनता को विभिन्न प्रकार की सार्वजानिक वस्तुए या सुविधाएँ (जैसे- स्ट्रीट लाइट, सुलभ शौचालय, पार्क आदि) उपलब्ध कराने का प्रयास करती है

सरकारी बजट के घटक

बजट प्राप्तियों का अर्थ

बजट प्राप्तियाँ सार्वजनिक प्राधिकरण या सरकार की आय, राजस्व और पूंजीगत प्राप्तियों का बिंदु-दर-बिंदु विवरण दर्शाती हैं।

बजट प्राप्तियों के प्रकार:

सरकार को अपना बजट दो मुख्य स्रोतों से प्राप्त

- राजस्व प्राप्तियाँ.
- पूंजीगत प्राप्तियाँ.

राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts)

राजस्व प्राप्तियों को उन प्राप्तियों के रूप में जाना जा सकता है जो ***न तो कोई जोखिम या दायित्व लाती*** *हैं और* ***न ही सार्वजनिक संपत्ति में कोई कमी*** लाती हैं। वे प्रकृति में आवर्ती और नियमित होते हैं, और सार्वजनिक प्राधिकरण उन्हें संचालन के विशिष्ट पाठ्यक्रम में प्राप्त करता है।

सार्वजनिक प्राधिकरण के लिए, राजस्व प्राप्तियाँ प्राप्त करने के दो स्रोत हैं

गैर-कर राजस्व और कर राजस्व

गैर-कर राजस्व प्राप्ति (Non-Tax Receipts):

गैर-कर राजस्व सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा करों के अलावा अन्य स्रोतों से अर्जित सामान्य आय या कमाई है।

गैर-कर राजस्व के विभिन्न प्रकार:

- **ब्याज:-** ब्याज सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा दिए गए अग्रिमों पर प्राप्त आय है।
- **लाभांश:-** यह सार्वजनिक प्राधिकरण द्वारा सार्वजनिक उपक्रमों के मूल्य (इक्विटी शेयर) पर अर्जित आय है।
- **लाभ:-** यह उन संगठनों से प्राप्त वेतन है जो सार्वजनिक प्राधिकरण के स्वामित्व में हैं।
- **बाहरी अनुदान:-** यह विदेशी राज्य-संचालित प्रशासनों से प्राप्त मौद्रिक सहायता है।
- **जुर्माना**

कर राजस्व प्राप्तियां (Tax Receipts):

राजस्व वह कमाई है जो राज्यों, सरकारों द्वारा करों के माध्यम से अर्जित की जाती है।

प्रत्यक्ष कर (Direct Tax):

प्रत्यक्ष कर एक मूल्यांकन है जो एक व्यक्ति या संघ उस संस्था को सीधे भुगतान करता है जिसने इसे लगाया था।

उदाहरण के लिए, एक एकल नागरिक, संपत्ति कर, व्यक्तिगत संपत्ति कर, संपत्ति पर कर और आयकर सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए सार्वजनिक प्राधिकरण को प्रत्यक्ष कर का भुगतान करता है।

प्रत्यक्ष कर के उदाहरण:

- निगमित कर, धन कर, ब्याज कर. पूंजीगत लाभ कर, आयकर

अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax):

अप्रत्यक्ष कर एक ऐसा व्यय है जो उत्पादों और सेवाओं पर ग्राहक तक पहुंचने से पहले लगाया जाता है, जो अंततः खरीदी गई सेवाओं या वस्तुओं की बाजार लागत या बाजार मूल्य के एक हिस्से के रूप में अप्रत्यक्ष कर का भुगतान करता है।

अप्रत्यक्ष करों के उदाहरण:

वस्तु एवं सेवा कर, सकल प्राप्ति कर. बिक्री कर।

पूंजीगत प्राप्तियाँ (Capital Expenditure):

पूंजीगत प्राप्तियाँ वे प्राप्तियाँ होंगी **जो देनदारियाँ बनाती हैं** या **मौद्रिक संसाधनों को कम** करती हैं। वे आने वाले नकदी प्रवाह का भी संकेत देते हैं। पूंजीगत प्राप्तियाँ ऋण प्राप्तियाँ और गैर-ऋण प्राप्तियाँ दोनों हो सकती हैं।

सरकारी बजट में पूंजीगत प्राप्तियों के प्रकार:

- उधार
- विनिवेश
- ऋणों की वसूली

बजट व्यय (Budget Expenditure)

बजट व्यय अभिप्राय सरकार द्वारा एक वित्तीय वर्ष में किए जाने वाले अनुमानित व्यय है।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

बजट व्यय को दो भागों में बांटा जा सकता है:

- राजस्व व्यय
- पूंजीगत व्यय

राजस्व व्यय (Revenue Expenditure)

ऐसे व्यय जो सरकार के लिए पर **संपत्तियों का निर्माण नहीं करते हैं या ना तो सरकार की दायित्वों में कमी** करते हैं।

जैसे

रक्षा व्यय, ब्याज का भुगतान, राज्य और संघ राज्य क्षेत्र को अनुदान, आर्थिक सहायता, आर्थिक सेवाएं, वेतन का भुगतान, शिक्षा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण ग्राम विकास आदि योजनाओं पर व्यय।

पूंजीगत व्यय (Capital Expenditure):

सरकार द्वारा किए जाने वाले ऐसे में जिससे ***या तो सरकार की परिसंपत्तियों का निर्माण होता है या फिर सरकार की दायित्व में कमी होती है***

जैसे ऋण का भुगतान कर देने से सरकार के कर्ज में अथवा उधारी में कमी आती है।

जैसे

केंद्रीय योजना का पूंजी व्यय, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र का ऋण, रक्षा पूंजीगत व्यय, सरकारी भवनों एवं सरकारी फैक्ट्री का निर्माण, विदेशी सरकारों को दिया जाने वाला ऋण, हाईवे का निर्माण आदि।

EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

संतुलित बजट (Balanced Budget)

इस बजट में अनुमान लगाई गई 'आय और खर्च' एक बराबर होते है। संतुलित बजट से मतलब है की जब किसी एक वित्तीय वर्ष में सरकार की कुल कमाई और कुल खर्च के आंकड़े बराबर होते हैं तो उसे संतुलित (Balance Budget) बजट कहते हैं।

अधिशेष बजट (Surplus Budget)

इस बजट में अनुमान लगाई गई आय से खर्च कम होते है। अधिशेष बजट से मतलब है की जब किसी एक वित्तीय वर्ष में सरकार की कुल कमाई से कुल खर्च के आंकड़े कम होते हैं तो उसे अधिशेष बजट (Surplus Budget) बजट कहते हैं।

THE ECONOMICS GURU

घाटे का बजट (Deficit Budget)

इस बजट में अनुमान लगाई गई आय से खर्च अधिक होता है। घाटे का बजट से मतलब है कि जब किसी एक वित्तीय वर्ष में सरकार की कुल कमाई से कुल खर्च के आंकड़े अधिक होते हैं तो उसे घाटे का बजट (Deficit Budget) बजट कहते हैं।

बजट घाटा (Budget Deficit)

बजटीय घाटा उस स्थिति को कहा जाता है जिसमें खर्च आय से अधिक हो जाता है।

दूसरे शब्दों में, बजटीय घाटा तब होता है जब व्यक्ति, सरकार या व्यवसाय के बजट में उस आय से अधिक खर्च होता है जिसे वे राजस्व के रूप में उत्पन्न कर सकते हैं।

बजट घाटे के प्रकार (Type of Budget Deficit)

बजट घाटा तीन प्रकार का होता है-

राजस्व घाटा (Revenue Receipts)

राजस्व व्यय को कुल राजस्व प्राप्तियों पर कुल राजस्व व्यय की अधिकता के रूप में परिभाषित किया गया है।

राजस्व व्यय > राजस्व प्राप्तियों

राजस्व व्यय की तुलना में राजस्व प्राप्तियों की कमी को राजस्व घाटा कहा जाता है

THE ECONOMICS GURU

राजस्व घाटा = कुल राजस्व व्यय - कुल राजस्व प्राप्तियाँ

राजस्व घाटा अर्थशास्त्रियों को संकेत देता है कि सरकार द्वारा अर्जित राजस्व आवश्यक सरकारी कार्यों के लिए आवश्यक व्यय की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है।

राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)

राजकोषीय घाटे को एक वर्ष में उधारों को छोड़कर, कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता के रूप में परिभाषित किया गया है।

राजकोषीय घाटा = कुल व्यय - उधार को छोड़कर कुल प्राप्तिया

जितना अधिक राजकोषीय घाटा होगा, उतनी अधिक राशि उधार ली जाएगी। राजकोषीय घाटा उस कमी को समझने में मदद करता है जो सरकार को धन की कमी के अभाव में व्यय का भुगतान करते समय सामना करना पड़ता है।

प्राथमिक घाटा (Primary Deficit)

प्राथमिक घाटे को चालू वर्ष का राजकोषीय घाटा कहा जाता है जो पिछले उधारों पर लंबित ब्याज भुगतान से घटाया जाता है। दूसरे शब्दों में, प्राथमिक घाटा ब्याज भुगतान के बिना उधार लेने की आवश्यकता है।

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

प्राथमिक घाटा, इसलिए, उन खर्चों को दर्शाता है जिन्हें सरकारी उधारी आय ब्याज भुगतान के लिए भुगतान न करते हुए पूरा करने जा रही है।

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान

अर्थशास्त्र के सभी विषयों एवं कक्षाओं के नोट्स, प्रश्नोत्तर, सैंपल पेपर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, विगत वर्षों के प्रश्नपत्र, अभ्यास प्रश्नपत्र (हिंदी या अंग्रेजी माध्यम) के PDF आपको www.theeconomicsguru.com पर मिल जायेंगे।

इसके साथ ही सभी हिंदी माध्यम तथा अंग्रेजी माध्यम के छात्रों के लिए Free **LIVE CLASS** भी उपलब्ध है, हमारे **YOUTUBE CHANNEL "THE ECONOMICS GURU"** पर । अभी **subscribe** कर लीजिये और ज्यदा से ज्यादा **शेयर** कर दीजिये अपने दोस्तों के बीच।

किसी भी प्रकार की समस्या के लिए आप हमसे सम्पर्क कर सकते है, YOUTUBE के कमेंट बॉक्स में कमेन्ट करें या वेबसाइट के Email वाले Option में जाकर **Email** करे या WhatsApp कर सकते है Website में लिंक दिया गया है।

धन्यवाद

नकुल ढाली

The Economics Guru

लाभार्थी बोर्ड:

CBSE, UK Board, UP Board, Bihar Board, MP Board, CG Board, Rajasthan Board, Haryana Board

साथ ही **BA; B.COM; MA** के सभी SEMESTER लिए भी अध्ययन सामग्री उपलब्ध है।

अभी VISIT करें www.theeconomicsguru.com

Subscribe my **YOUTUBE** channel **THE ECONOMICS GURU**

THE ECONOMICS GURU
EDUCATION | INSPIRATION | KNOWLEDGE

Follow me:

Facebook- *Nakul Dhali*

Instagram- *@dhali_sir*

www.theeconomicsguru.com